भारत सरकार

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 2288

12 दिसंबर, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना

2288. श्री दिनेश चंद्र यादव:

श्री गिरिधारी यादव:

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) 2023-24 के बजट में अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहन देने हेतु नए कार्यक्रम आरंभ करने के प्रस्ताव की वर्तमान स्थिति क्या है; और

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्यमंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) और (ख): औषध विभाग ने सूचित किया है कि उसने बजट 2023-2024 की घोषणा के अनुसार औषध और चिकित्सा प्रौद्योगिकी उद्योगों में अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहन देने हेतु फार्मा-मेडटेक (पीआरआईपी) योजना में अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहन देने की योजना आरंभ की है। संशोधित योजना और दिशानिर्देश 1 अक्टूबर, 2025 को अधिसूचित किए गए थे। पीआरआईपी योजना का उद्देश्य देश में अनुसंधान अवसंरचना को सुदृढ़ करके भारतीय फार्मा-मेडटेक क्षेत्र को लागत आधारित से नवाचार-आधारित वृद्धि में बदलना है। हाल के संशोधनों का औचित्य सुचारू कार्यान्वयन की सुविधा प्रदान करना, शासन में अधिक स्पष्टता लाना और लाभ-साझाकरण तंत्र को अधिक प्रभावी बनाना था।

पीआरआईपी योजना के दो घटक हैं, नामत घटक क: राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (एनआईपीईआर) में उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना के माध्यम से अनुसंधान अवसंरचना को सुदृढ़ करना और घटक ख: फार्मा मेडटेक क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहन देना। घटक क के अंतर्गत, कुल सात उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए गए हैं, मोहाली, अहमदाबाद, गुवाहाटी, कोलकाता, रायबरेली, हाजीपुर और हैदराबाद में स्थापित

सात एनआईपीईआर में से प्रत्येक में एक-एक। घटक ख उत्पादों और प्रौद्योगिकियों के प्रोत्साहन के लिए अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) का समर्थन हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए है या तीन प्राथमिकता वाले क्षेत्रों, अर्थात् नई दवाओं, जटिल जेनेरिक और बायोसिमिलर, और नए चिकित्सा उपकरणों में मार्केट लॉन्च और बड़े पैमाने पर व्यावसायीकरण के लिए अनुसंधान और विकास आउटपुट का त्वरित सत्यापन करने के लिए है। प्रारंभिक चरण की परियोजनाएं और उसके बाद के चरण की परियोजनाएं दोनों वित्तीय सहायता के संवितरण के लिए पात्र हैं। इस घटक के तहत, औषध विभाग ने फार्मास्युटिकल और मेडटेक उद्योग और स्टार्टअप से अनुसंधान और नवाचार परियोजनाओं के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं।

इसके अलावा, दिसंबर 2023 में, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) ने नीति आयोग के मार्गदर्शन में केंद्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन (CDSCO) के साथ साझेदारी में मेडटेक मित्र प्लेटफॉर्म शुरू किया। मेडटेक मित्र पोर्टल को आईसीएमआर की वेबसाइट पर संचालित कर दिया गया है। यह प्लेटफ़ॉर्म स्टार्ट-अप, उद्योग और शैक्षणिक समुदाय के नवप्रवर्तकों को मेडटेक उत्पादों के विकास के लिए मार्गदर्शन प्रदान करता है। आईसीएमआर के राष्ट्रीय जैव आयुर्विज्ञान अनुसंधान जंतु संसाधन सुविधा (NARFBR) और इंडियन क्लिनिकल ट्रायल एंड एजुकेशन नेटवर्क (INTENT), के अलावा, औषध विभाग, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (MSME), भारतीय मानक ब्यूरो, राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (NABL), गवर्नमेंट ई-मार्केट प्लेस जैसे अनेक अंतर-विभागीय/अंतर-मंत्रालयी भागीदार इस पहल के मुख्य भागीदार हैं।

******